Avtaar Liyo Nandlal Lyrics in Hindi & English

Avtaar Liyo Nandlal Lyrics in Hindi

नन्द भवन में आनंद छाया है, जो लोक में आनंद छाया है, नन्द भवन में कान्हा आया है, नन्द के आनंद भियो जय किन्हयाँ लाल की, हाथी दीने घोडा दीने और दीने पालकी, नन्द भवन में आनंद छाया है, नन्द घर लाला आया हैम, नन्द हो गए मालामाल नन्द भवन वधाई भाज रही,

नव देवता मंगला चार करे, ब्रिज वासी जय जय कार करे, रंग रस वरसे रंग गुलाल, नन्द भवन वधाई बाज रही, नन्द भवन में आनंद छाया है.

अवतार लियो गोपाल नन्दलाल, नन्द भवन वधाई भाज रही,

बड़ा सोना श्याम सलोना है, मनमोहन रूप खिलौना है, बड़ा सूंदर लड्डू गोपाल, नन्द भवन वधाई बाज रही,

हरी दर्श मधुप सब पावत है, सब नाचत झूमत गावत है, पलना झूलत नन्द लाल, नन्द भवन वधाई बाज रही,

बधाई हो बधाई हो

Avtaar Livo Nandlal Lyrics in English

Avatar Liyo Gopal Nandalal, Nand Bhavan Vadhai Bajj Rahi,

Nand Bhavan Mein Anand Chhaya Hai,
Jo Lok Mein Anand Chhaya Hai,
Nand Bhavan Mein Kanha Aaya Hai,
Nand Ke Anand Bhiyo Jai Kanhiya Laal Ki,
Haathi Deene Ghoda Deene Aur Deene Palki,
Nand Bhavan Mein Anand Chhaya Hai,
Nand Ghar Laala Aaya Hai,
Nand Ho Gaye Maala-Maal Nand Bhavan Vadhai Bajj Rahi,

Nav Devta Mangla Chaar Kare,

Brij Vaasi Jai Jai Kaar Kare, Rang Ras Varse Rang Gulal, Nand Bhavan Vadhai Bajj Rahi, Nand Bhavan Mein Anand Chhaya Hai,

Bada Sona Shyam Salona Hai, Manmohan Roop Khilona Hai, Bada Sundar Laddu Gopal, Nand Bhavan Vadhai Bajj Rahi,

Hari Darsh Madhup Sab Paavat Hai, Sab Nachat Jhoomat Gaavat Hai, Palna Jhulat Nand Laal, Nand Bhavan Vadhai Bajj Rahi,

Vadhai Ho Vadhai Ho....

About Avtaar Liyo Nandlal Bhajan in English

"Avtaar Liyo Nandlal" is a beautiful and devotional bhajan that celebrates the divine birth and presence of **Lord Krishna**, also known as **Nandlal**, in the house of Nand Maharaj, his earthly father. This bhajan is a joyous celebration of Lord Krishna's arrival in the world, bringing happiness, prosperity, and divine blessings to the people of **Vrindavan**.

- Celebration of Krishna's Birth: The bhajan begins by describing the joy and celebration at Nand's home upon the birth of Lord Krishna, who is referred to as Nandlal. The people of the village celebrate this divine event with great enthusiasm and devotion, as it is believed that Krishna's presence brings divine joy and blessings to the entire world. "Nand Bhavan Mein Anand Chhaya Hai" refers to the happiness that spreads throughout Nand's house after Krishna's arrival.
- Divine Gifts and Prosperity: The bhajan emphasizes the prosperity that comes with Lord Krishna's birth. The lyrics mention gifts like **elephants**, **horses**, and **palkis**, which symbolize wealth, grandeur, and blessings that Nand Maharaj receives due to Krishna's divine birth. "Nand Bhavan Mein Kanha Aaya Hai" refers to Krishna's arrival, which brings abundance and joy.
- Celebration by the Brijwasi (Vrindavan residents): The bhajan also highlights the communal celebration by the people of Brij, or Vrindavan, with their joyous cheers of "Jai Jai Kar" and the vibrant play of colors, indicating the festive mood. "Rang Ras Barse Rang Gulal" suggests the celebrations with colors, symbolizing the happiness and the love that Krishna spreads through his presence.
- Krishna's Divine Beauty and Charms: Lord Krishna, described as "Bada Sona Shyam Salona Hai" and "Manmohan Roop Khilona Hai," refers to Krishna's enchanting and beautiful appearance. He is revered not only for his divine powers but also for his mesmerizing charm and beauty. The bhajan portrays Krishna as the beloved "Laddu Gopal," a playful and adorable form that captures the hearts of all devotees.
- Divine Joy and Ecstasy: The bhajan also speaks of the ecstatic atmosphere surrounding Krishna. The people are so overcome with joy that they sing, dance, and praise Krishna, and the sweet sounds of the Jhula (swing) symbolize the divine play and joy Krishna brings to his devotees. "Hari Darsh Madhup Sab Paavat Hai" expresses the bliss of seeing Krishna, and how everyone in Vrindavan rejoices in his presence.
- Celebration and Blessings for Nand Maharaj: The recurring chant "Nand Bhavan Wadhai

Baj Rahi" reinforces the idea that the entire house of Nand is celebrating, and blessings are showering upon him. The entire community, along with Nand Maharaj and Yashoda, is filled with joy because of the divine birth of Krishna, the eternal source of bliss and love.

Overall, "Avtaar Liyo Nandlal" is a joyful and energetic bhajan that encapsulates the divine glory, beauty, and blessings that Krishna brings to his devotees, especially to Nand Maharaj and the people of Vrindavan. It serves as a reminder of Krishna's divine birth and the joyous celebrations that follow, filled with love, devotion, and divine bliss.

About Avtaar Liyo Nandlal Bhajan in Hindi

"अवतार लियो नन्दलाल" एक अत्यंत सुंदर और भिक्तिपूर्ण भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के नन्द महराज के घर जन्म लेने की खुशी और उत्सव को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान कृष्ण के जन्म के पावन अवसर पर Vrindavanवासियों की खुशी, भिक्त, और समृद्धि का वर्णन करता है।

- कृष्ण के जन्म का उत्सव: भजन की शुरुआत भगवान कृष्ण के नन्द महराज के घर जन्म लेने की खुशी को दर्शाते हुए होती है। "नन्द भवन में आनंद छाया है" पंक्ति से यह जाहिर होता है कि कृष्ण के जन्म के बाद नन्द महराज के घर में आनंद और समृद्धि का वातावरण बन गया। कृष्ण के आगमन से न केवल नन्द महराज का घर, बल्कि सम्पूर्ण वृंदावन भी आनंदित हो गया है।
- दिव्य उपहार और समृद्धि: भजन में भगवान कृष्ण के जन्म के साथ मिलने वाली समृद्धि और दिव्यता का भी जिन्न है। "हाथी दीने घोड़ा दीने और दीने पालकी" यह पंक्तियाँ नन्द महराज को दी गई समृद्धि और उपहारों को प्रतीक रूप में दर्शाती हैं। भगवान कृष्ण के आगमन के बाद नन्द महराज के जीवन में सुख, समृद्धि और आशीर्वाद की वर्षा हो रही है।
- वृंदावनवासियों का उत्सव: भजन में वृंदावनवासियों द्वारा भगवान कृष्ण के जन्म के बाद मनाए जा रहे उत्सव और खुशी को भी उजागर किया गया है। "रंग रस बरसे रंग गुलाल" के माध्यम से यह बताया गया है कि कृष्ण के जन्म की खुशी में लोग रंगों से खेल रहे हैं, प्रेम और उल्लास का वातावरण बना हुआ है।
- कृष्ण की सुंदरता और आकर्षण: भगवान कृष्ण की सुंदरता और आकर्षण का वर्णन भी इस भजन में किया गया है। "बड़ा सोना श्याम सलोना है" और "मनमोहन रूप खिलौना है" में कृष्ण के रूप की दिव्यता और आकर्षण का गुणगान किया गया है। कृष्ण की सुंदरता को देखकर भक्त उनसे प्रेम में लीन हो जाते हैं।
- दिव्य आनंद और भिक्त का माहौल: भजन में यह भी बताया गया है कि कृष्ण की उपस्थिति से सभी भक्त झूमते, नाचते और गाते हैं। "पलना झूलत नन्द लाल" पंक्ति कृष्ण के झूले की ओर इशारा करती है, जिसमें कृष्ण का शिशु रूप भक्तों के दिलों में विशेष आनंद और भिक्त का संचार करता है।
- नन्द महराज के लिए आशीर्वाद: "नन्द भवन वधाई बाज रही" पंक्ति बार-बार दोहराई जाती है, जो नन्द महराज के घर के उत्सव और आशीर्वाद को दर्शाती है। भगवान कृष्ण के जन्म के बाद नन्द महराज और उनके परिवार का जीवन आशीर्वादों और खुशी से भर जाता है।

कुल मिलाकर, "अवतार लियो नन्दलाल" एक भिक्त से भरपूर भजन है जो भगवान कृष्ण के जन्म की खुशी, उनकी सुंदरता, और उनकी दिव्य उपस्थिति से संबंधित भिक्त भावनाओं को व्यक्त करता है। यह भजन भक्तों को कृष्ण के प्रति भिक्त और प्रेम में एक नई ऊर्जा और आनंद का अनुभव कराता है।